हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, गुरुवार 19 मार्च 2026

तापमान
अधिकतम 32.7 डिग्री
न्यूनतम 12.9 डिग्री

11 45वीं नेशनल वेटरन एथलेटिक्स चैंपियनशिप ..

12 बदला मौसम...दिन में धूप, शाम को बारिश, आज ..

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे

बिजली कट

- सुबह 10 से 1 बजे तक सेक्टर-3
- सुबह 10 से 2 बजे तक शिव विहार कॉलोनी, सुंदरपुर रोड, जींद रोड, शिव कॉलोनी, जींद चौक, बरसी नगर

खबर संक्षेप

आंतरिक शिकायत समिति में सत्यवीर श्योराण शामिल

रोहतक। महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) में सहायक कुलसचिव (विधि प्रकोष्ठ) सत्यवीर श्योराण को सदस्य नियुक्त किया गया है। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने बताया कि सहायक कुलसचिव सत्यवीर श्योराण को यह दायित्व तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त कार्यभार के तौर पर सौंपा गया है।

ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर 38 हजार की ठगी

सांपला। खंड के गांव गांधरा के एक व्यक्ति के साथ अज्ञात व्यक्तियों में 38 हजार रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने बिजेंदर के बयान पर अज्ञात ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। बिजेंद्र ने बताया कि मैं टेलीग्राम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूज करता हूं। उसके नंबर पर व्हाट्सएप नंबर आया। उन्होंने कहा कि उनके बताए खाते में रुपये डाले, उसको कमीशन के साथ वापस लौटा दी जाएगी। 38000 की धोखाधड़ी कर ली।

पोलंगी दोहरे हत्याकांड में दो आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। गांव पोलंगी में 13 फरवरी को हुए दोहरे हत्याकांड मामले में पुलिस ने वारदात में शामिल दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों की पहचान दिनेश व विनोद के रुप में हुई है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

90 हजार की ठगी में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। शहर में 90 हजार रुपये की ठगी के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह में शामिल दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान मोहम्मद आरीफ पुत्र मोहम्मद ईकरम निवासी हाल दिल्ली को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया है और मामले की गहनता से जांच जारी है।

हाल ए पीजीआई

थायराइड के मरीज बढ़े, पर नहीं आया स्पेशलिस्ट

मेडिसिन के डॉक्टर ही कर रहे उपचार ▶▶ रोजाना 350 से 400 की ओपीडी ▶▶ ब्लड टेस्ट भी रोज 25 से ज्यादा नहीं हो रहे

- *निजी लैब में 500 रुपये से 1000 तक हो रहे खर्च*
- *कुछ मरीज पीजीआई से मुफ्त टेस्ट करवा कर बाहर करवा रहे इलाज*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पीजीआईएमएस में थायराइड रोगियों के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर की कमी पिछले करीब चार वर्षों से बनी हुई है। इस वजह से अस्पताल में आने वाले सैकड़ों मरीजों को उचित इलाज नहीं मिल पा रहा और स्वास्थ्य सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। अस्पताल में रोजाना 350 से 400 मरीज थायराइड से जुड़ी समस्याओं को लेकर ओपीडी में पहुंचते हैं। लेकिन एंडोक्राइनोलॉजी विशेषज्ञ के अभाव में इनका इलाज मेडिसिन विभाग के डॉक्टरों द्वारा किया जा रहा है। डॉक्टर अपनी पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन विशेषज्ञ स्तर की देखभाल और मार्गदर्शन का अभाव मरीजों को महसूस होता है। थायराइड जांच की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। अस्पताल में रोजाना केवल 25 मरीजों का ही ब्लड टेस्ट किया जा रहा है। इससे अधिक मरीजों को या तो अगले दिन का इंतजार करना पड़ता है या फिर उन्हें निजी लैब में महंगे टेस्ट करवाने पड़ते हैं। इसके अलावा यह भी कई कई दिन तक बंद हो जाता है।

निजी लैब में जेब पर पड़ रहा बोझ

मरीज के ब्लड टेस्ट के माध्यम से टीएसएच, टी 3 टी 4 की जांच की जाती है। निजी लैब में थायराइड जांच के लिए 500 से 1000 रुपये तक खर्च करना पड़ रहा है, जो आम आदमी के लिए भारी पड़ता है। कई मरीज ऐसे भी हैं जो पीजीआई से मुफ्त जांच करवाकर रिपोर्ट लेकर बाहर निजी डॉक्टरों से इलाज करवा रहे हैं।

जल्द स्पेशलिस्ट की नियुक्ति की जाए

स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है और इसके लिए विशेष देखभाल की जरूरत होती है। ऐसे में पीजीआईएमएस जैसे बड़े और प्रमुख अस्पताल में विशेषज्ञ का अभाव स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। मरीजों ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द थायराइड स्पेशलिस्ट की नियुक्ति की जाए और जांच सुविधाओं को भी बढ़ाया जाए, ताकि मरीजों को राहत मिल सके।

राजेश राजपूत के बाद नहीं मिला डॉक्टर

डॉक्टर राजेश राजपूत थायराइड के विशेषज्ञ के तौर पर एचओडी के पद पर कार्य करते रहे। उनके कार्यकाल में हजारों मरीजों को बेहतरीन उपचार मिला। लेकिन उनकी 2022 में उनके वीआरएस लेने के बाद नया विशेषज्ञ नहीं मिल पाया है। जबकि मेडिसिन विभाग के अन्य अनुभवी चिकित्सक को ओपीडी की जिम्मेदारी दी हुई है। मरीजों का कहना है कि पूरी सुविधा एक ही जगह मिलनी चाहिए, लेकिन जांच के लिए अलग-अलग जगह जाना पड़ रहा है।

क्या है बीमारी

थायराइड की बीमारी गर्दन में स्थित तितली के आकार की ग्रंथि में खराबी के कारण होती है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म (चयापचय) को नियंत्रित करने वाले हार्मोन टी 3 टी 4 का असंतुलन पैदा करती है। यह मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है: हाइपोथायरायडिज्म (कम हार्मोन, वजन बढ़ना) और हाइपर थायरायडिज्म (ज्यादा हार्मोन, वजन घटना), जो थकान, बालों का झड़ना, और मूड में बदलाव का कारण बन सकती है। साथ ही नींद, भूख, हृदय गति पर भी असर पड़ता है।

बस : कागजों में ही रह गए रूट

163 पेड़ कटे, लेकिन चार्जिंग स्टेशन लटका, ई-बस भी नहीं चली

रोडवेज व संबंधित विभागों के बीच समन्वय की कमी | पर्यावरणविदों और लोगों में बढ़ रही भारी नाराजगी | सिटी के लिए 5 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही : जीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बस स्टैंड परिसर में इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने की योजना फिलहाल अधर में लटकी हुई है। इस परियोजना के तहत परिसर के भीतर स्थित लगभग 163 पुराने और घने पेड़ों को काट दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद अब तक चार्जिंग स्टेशन का बुनियादी ढांचा तैयार नहीं हो पाया है। जानकारी के अनुसार, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हुए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की गई थी, ताकि इलेक्ट्रिक बसों के लिए आधुनिक चार्जिंग सुविधा विकसित की जा सके। हालांकि, पेड़ काटने के बाद भी निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ सका, जिससे यह मामला अब ठंडे बस्ते में जाता नजर आ रहा है। इस परियोजना में देरी का मुख्य कारण भूमि उपयोग से जुड़ी तकनीकी और कागजी प्रक्रियाएं हैं। रोडवेज प्रशासन और संबंधित विभागों के बीच समन्वय की कमी के चलते फाइलें आगे नहीं बढ़ पा रही हैं। इसी वजह से निर्माण कार्य शुरू ही नहीं हो सका है।

इन रूटों पर दौड़ना था बसों को

- रोहतक से महम के लिए 8 बसें, सांपला के लिए 8 बसें, कलानौर के लिए 6 बसें, महिला गवर्मेंट कॉलेज लाखनमाजरा के लिए 6 बसें, महिला गवर्मेंट कॉलेज मोखरा के लिए 2 बसें, सांघी तकनीकी कॉलेज 2 बसें, न्यू बस स्टैंड से वाया दिल्ली बाईपास पीजीआई के लिए छह बसें चलनी थी।
- अन्य लोकल रूट ओर कॉलेज के लिए 6 बसें, पीटीसी सुनारिया के लिए 4 बसें व इंडस्ट्रीयल एरिया व बलियाणा के लिए भी दो बसें निर्धारित की गई थी।
- सभी बसें सीसीटीवी से लैस होंगी। इनमें स्मोकिंग सेंसर तक काम करेंगे, ताकि कोई बस के अंदर बीडी व सिगरेट का सेवन न कर सकें। लेकिन यह परियोजना अभी तक भी सिरे नहीं चढ़ पाई है।

विभाग को अभी तक बसें भी नहीं मिल पाई

रोडवेज डिपों को अभी तक मिलने वाली 45 बसें भी नहीं मिल पाई है। हालांकि अभी जारी हुए बजट में रोडवेज डिपों को नई बसें मिलने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है। यहीं बसें 2023 में भी मिलने वाली थी। लेकिन आज तक विभाग को नहीं मिल पाई है। ऐसे में सिर्फ इतने सारे पेड़ काटना कहां तक सही है। ऐसे में यूनियन के लोगों में भी काफी रोष है। पर्यावरण विदों और स्थानीय लोगों में इस मुद्दे को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। उनका कहना है कि बिना किसी ठोस विकास कार्य के इतने बड़े स्तर पर पेड़ों की कटाई करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे न केवल हरित क्षेत्र कम हुआ है, बल्कि स्थानीय पर्यावरण पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

जल्द ही परियोजना पर कार्य शुरू होगा

यह मामला मुख्यालय स्तर का है, फिलहाल डिपों से सिटी के लिए पांच इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही है। जिससे यात्रियों को काफी राहत मिली हुई है। फिलहाल इस मामले में कुछ नहीं कहा जा सकता है। लेकिन जल्द ही इस परियोजना का कार्य भी शुरू होगा।

-हसंराज, संस्थान प्रबंधक, रोडवेज डिपो

▶▶ पहले आपूर्ति 6000-6500 तक ही थी

बुधवार को दी 8500 सिलेंडरों की सप्लाई

- एलपीजी की बढ़ती मांग और आपूर्ति में असंतुलन के कारण कई दिनों से हालात गंभीर हो गए थे, अब राहत की उम्मीद

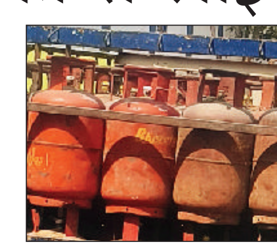

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने दावा किया है कि बुधवार को 8500 सिलेंडर उपभोक्ताओं दिए गए। जबकि पिछले दिनों सिलेंडर की संख्या 6000-6500 के बीच थी। अधिकारियों के अनुसार, बुधवार को करीब 8500 घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की गई, जबकि इससे पहले प्रतिदिन केवल 6000 से 6500 सिलेंडर ही वितरित हो पा रहे थे। एलपीजी की बढ़ती मांग और आपूर्ति में असंतुलन के कारण बीते दस-बारह दिन से में हालात काफी गंभीर हो गए थे। कई उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा था, वहीं एजेंसियों के बाहर लोगों की भीड़ भी देखने को मिल रही थी। ऐसे में प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सप्लाई चेन को मजबूत करने के निर्देश दिए थे। गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि सप्लाई बढ़ाने के लिए अतिरिक्त टैंकर गाड़ी मंगवाई जा रही हैं। बुधवार को शीला बाइपास स्थित लक्ष्मी गैस एजेंसी के यहां तीन गाड़ी पहुंची।

सिलेंडर को लेकर पैनिक न हों

गैस की सप्लाई में अब हर रोज सुधार हो रहा है। बुधवार को जिले में 8500 सिलेंडर सप्लाई किए गए। जबकि पिछले दिनों 6500 की आपूर्ति देना भी मुश्किल था। मैं उपभोक्ताओं से अनुरोध करता हूं कि वे गैस को लेकर मारामारी बिल्कुल भी न दिखाएं।

-हरिओम, निरीक्षक, खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय

नवरात्र को लेकर बाजार गुलजार जमकर खरीदारी

रोहतक। चैत्र नवरात्र पर्व को लेकर मंदिरों को दुलहन की तरह सजाया गया है। वहीं, बाजारों में माता की पूजा सामग्री व चुनरी से दुकानें सज गई हैं। बाजार में सैकड़ों श्रद्धालु दुकानों पर पूजा की सामग्री खरीदते दिखे। पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा -अर्चना के साथ हवन यज्ञ किया जाएगा। कई मंदिरों में साफ सफाई व रोशनी की व्यवस्था की गई। श्रद्धालु माता को खुश करने के लिए लाल चुनरी, नारियल,फल, फूल, मिठाई और श्रंगार का सामान अर्पित करते हैं। इसके अलावा लौंग इलायची, पताशे और खीर -पुड़ी का भोग भी लगाया जाता है। *(नवरात्र के लिए सजे मंदिर पेज-11 पर)*

हरियाणा-यूपी बॉर्डर पर लिंग जांच गिरोह का भंडाफोड़, दो पकड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पीसीपीएनडीटी टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भ्रूण लिंग जांच करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह संयुक्त रेड 18 मार्च को यूपी के सहारनपुर जिले के बहेड़ा गांव (थाना बड़गांव) में पानीपत की पीएनडीटी टीम के साथ मिलकर की गई। संयुक्त टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी कर गिरोह को पकड़ने में सफलता हासिल की। छापेमारी के दौरान मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि इस मामले में कुल सात आरोपियों के खिलाफ थाना बड़गांव, जनपद सहारनपुर में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भ्रूण लिंग जांच एक गंभीर अपराध है, जिस पर पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विभाग लगातार सतर्क है और भविष्य में भी ऐसे अभियानों को जारी रखा जाएगा। यदि कहीं इस तरह की अवैध गतिविधियों की जानकारी मिले तो तुरंत स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई हो सके।

रोहतक। आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

पांच अप्रैल को अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के टाइग्रे में दिखाएंगे दमखम

संग्राम सिंह का विपक्षी फाइटर मुकाबले से हटा, अब फ्लोरियन काउड्रे देंगे चुनौती

हहीही ▶▶ रोहतक

संग्राम सिंह के खिलाफ अर्जेंटीना के शहर ब्यूनस आयर्स में होने वाली एमएमए फाइट में उनका फ्रांस का प्रतिद्वंद्वी मौटेऊ मोटेइरो मुकाबले से हट गया है। वह घुटने में इंजरी की वजह से इस फाइट में नहीं लड़ सकेगा। उनकी जगह अब फ्रांस के ही एक अन्य फाइटर फ्लोरियन काउड्रे को दी गई है। यह मुक़ाबला पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पांच अप्रैल को अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के टाइग्रे में आयोजित किया जाएगा।

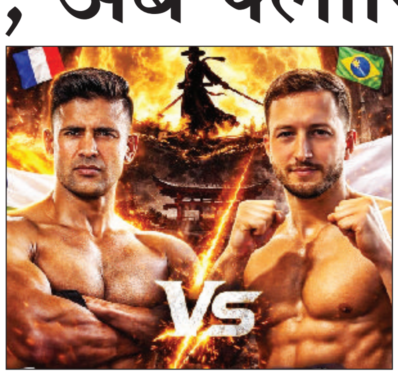

मोटेइरो के हटने का अफसोस

संग्राम ने कहा कि मोटेइरो के हटने का अफसोस है, क्योंकि उनके सभी कोचों ने मोटेइरो की तैयारी के वीडियो देखकर उन्हें तैयारी कराई थी, लेकिन लगता है कि नया प्रतिद्वंद्वी गुपचुप तरीके से तैयारी करने में यकीन रखता है। इसीलिए उसने सोशल मीडिया में तैयारियों के वीडियो तक नहीं डाले। जापान के रेसलर भी वीडियो सोशल मीडिया पर आमतौर पर नहीं डालते। यह सोचकर कि कहीं उनके विपक्षी उनके खेल के हिसाब से कोई रणनीति न बना लें। जब अपने विपक्षी के बारे में ज़्यादा पता न हो तो फिर काम ओर भी ज़्यादा चैलेंजिंग हो जाता है।

फैंस में ज़बरदस्त उत्साह

सैमुराई फाइट एसोसिएशन के आयोजक मार्टिन पैककियाज ने इस अवसर पर संग्राम सिंह को भेजे संदेश में कहा है कि आपका अर्जेंटीना में आकर मुक़ाबला लड़ना हमारे लिए खुशी की बात है। हम आपका स्वागत करते हैं। आप भारत में इस खेल के नम्बर वन फाइटर रहे हैं। आपका इस खेल में एक ताकत के रूप में उभरना बड़ी बात है। आपकी फाइट को देखने के लिए अर्जेंटीना में और आपके फैंस के बीच ज़बरदस्त उत्साह है।

मौटेऊ मोटेइरो ने अपने फैंस से माफी मांगी

मौटेऊ मोटेइरो ने अपने फैंस से माफी मांगी है। उनका कहना है कि प्रैक्टिस के दौरान वह घुटने में इंजरी के शिकार हो गए हैं। उन्हें इस तरह से एमएमए की एक प्रतिष्ठित फाइट में भाग न लेने का बड़ा मलाल रहेगा। यह एक मुश्किल फैसला था लेकिन वह आयोजकों और अपने विपक्षी से इसके लिए माफी मांगते हैं लेकिन साथ ही वह अपनी टीम और परिवार के बेहद आभारी हैं जो उनकी भविष्य में वापसी को लेकर जुटे हुए हैं।

संग्राम की ओवरऑल तैयारियां अच्छी चल रही हैं : कोच

संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने कहा कि संग्राम की ओवरऑल तैयारियां अच्छी चल रही हैं। दुनिया के टॉप एमएमए के फाइटर रेसलर ही रहे हैं जो अपने खेल में बॉक्सिंग, किक बॉक्सिंग और जुजत्सू की कला पर खास तौर पर ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा कि संग्राम का भी इन दिनों ज़्यादा जोर किक बॉक्सिंग पर है। कुश्ती के खेमे, थ्रोइंग और नीचे गिराने की कला के बाद लॉकिंग और चोकिंग इस खेल में काफी मायने रखती है। यहां पांच-पांच मिनट के तीन राउंड होते हैं। इसलिए, उनकी एनड्योरेंस और कंडीशनिंग पर भी काफी काम किया जा रहा है। संग्राम सिंह इन दिनों सात सदस्यों के सपोर्ट स्टाफ के साथ फाइट की तैयारी में जुटे हुए है।

24 को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे

संग्राम 2 बार कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैम्पियन रह चुके हैं। वह भारत सरकार के फिट इंडिया आइकन और ब्रैंड एम्बेसडर हैं। मिट्टी के अखाड़े से ग्रीकोरोमन शैली की कुश्ती के अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान रहे हैं। लम्बे समय तक नैशनल कैम्प में रहे। फिर पेशेवर रेसलिंग की। वहां से एक्टर, मॉडल, मोटिवेशनल स्पीकर का सफर तय करने के बाद वह इन दिनों एमएमए में अपनी तीसरी फाइट लड़ने जा रहे हैं। इस बारे में आगे की रणनीति पर वह 24 मार्च को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं।

युवक को 5.260 किलो चरस के साथ पकड़ा

हहीही ▶▶ रोहतक

पुलिस की एएनसी (एंटी नारकोटिक्स सेल) स्टाफ टीम ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को भारी मात्रा में चरस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 5 किलो 260 ग्राम चरस बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया, जहां से आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की गहनता से जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आरोपी किस नेटवर्क से जुड़ा हुआ है और नशीले पदार्थ की सप्लाई कहां से हो रही थी। एएनसी स्टाफ के प्रभारी पीएसआई मनोज कुमार ने बताया कि सब-इंस्पेक्टर संजीत के नेतृत्व में टीम राजीव गांधी स्टेडियम के पास गश्त पर मौजूद थी। इसी दौरान टीम को गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर तुरंत कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने न्यू बस स्टैंड रोहतक के पास एक संदिग्ध युवक को रोककर जांच की। उसके पास से भारी मात्रा में चरस बरामद हुई, जिसके बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान भरहरी उर्फ भरथरी पुत्र रामधारी निवासी गांव मोखरा के रूप में हुई है।

रोहतक। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

विक्रम संवत 2083 प्रारंभ : जानें क्या है खास गुरु-मंगल की जोड़ी किसका करेगी बेड़ा पार

गुरुवार से 2026 से हिंदू नववर्ष यानी विक्रम संवत 2083 का शुभारंभ होने जा रहा है। यह पावन दिन हर वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से शुरू होता है और इसी के साथ भारतीय नवसंवत्सर की शुरुआत मानी जाती है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस वर्ष के राजा देवगुरु बृहस्पति और मंत्री मंगल होंगे, जबकि इस संवत का नाम 'रौद्र संवत्सर' रखा गया है। हिंदू नववर्ष सनातन परंपरा का बेहद महत्वपूर्ण पर्व है। मान्यता है कि इसी दिन सृष्टि की रचना का आरंभ हुआ था, इसलिए यह दिन नए कार्यों, संकल्पों और शुभ शुरुआत के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है। इसी दिन से विक्रम संवत की शुरुआत होती है, जिसे सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित किया गया था और यह ग्रेगोरियन कैलेंडर से लगभग 57 वर्ष आगे चलता है।

आज शुरू होगा हिंदू नववर्ष

देश में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, दक्षिण भारत में उगादी और उत्तर भारत में नवसंवत्सर।

यह रहेगा प्रभाव

ज्योतिष के अनुसार जब बृहस्पति राजा होते हैं तो धर्म, शिक्षा और ज्ञान में वृद्धि होती है, वहीं मंगल मंत्री होने से साहस, ऊर्जा और प्रशासनिक निर्णयों में तेजी आती है। इस साल एक खास संयोग भी बन रहा है। मीन राशि में सूर्य, चंद्रमा, शुक्र और शनि का चतुर्ग्रही योग, जो इसे और प्रभावशाली बना रहा है।

सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

सनातन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र माना गया है। मान्यता है कि इसी तिथि से सृष्टि की रचना का आरंभ हुआ था, इसलिए इसे नए कार्यों, संकल्पों और शुभ शुरुआत के लिए श्रेष्ठ समय माना जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग नामों से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, दक्षिण भारत में उगादी, जबकि उत्तर भारत में इसे नवसंवत्सर के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोग घरों की साफ-सफाई, पूजा-पाठ और नए कार्यों की शुरुआत करते हैं।

-पंडित कृष्ण दत्त गौड़, ज्योतिषाचार्य

मेष

इस राशि के जातकों का सकारात्मक सिद्ध हो सकता है। करियर में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं और लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां या पदोन्नति मिल सकती हैं। व्यापारियों को भी नए प्रोजेक्ट या साझेदारी से लाभ मिलने की संभावना है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से बचना ही बेहतर रहेगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह नववर्ष परिवार और संपत्ति से जुड़े मामलों में शुभ संकेत दे सकता है। जमीन या वाहन खरीदने के योग बन सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ सकता है। हालांकि भावनात्मक फैसलों से बचना और धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। हालांकि जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से बचना ही बेहतर रहेगा।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए साझेदारी और व्यापार के मामलों में यह वर्ष अनुकूल रह सकता है। व्यापार विस्तार के अवसर मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ सकती है। नौकरी में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिससे भविष्य में लाभ होगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत होगी।

मकर

मकर राशि वालों के लिए यह वर्ष घर-परिवार और संपत्ति से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण हो सकता है। परिवार में शुभ कार्य होने के योग बन सकते हैं। करियर में स्थिरता आएगी और मेहनत का अच्छा फल मिल सकता है। हालांकि काम का दबाव भी बढ़ सकता है। इससे शुरूआत में कुछ परेशानी हो सकती है।

वृषभ

वृषभ राशि के लोगों के लिए यह नववर्ष आर्थिक दृष्टि से अनुकूल सिद्ध हो सकता है। आय के नए स्रोत बनने की संभावना है और निवेश से लाभ मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रह सकती है। हालांकि खर्चों में भी वृद्धि हो सकती है, इसलिए बजट का संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा।

सिंह

इस राशि के लोगों के लिए भाग्य का साथ मिल सकता है। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही परेशानियों में कमी आ सकती है। व्यापारियों को भी लाभ मिलने के योग बन सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा और मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए कार्यक्षेत्र में बदलाव के योग बन सकते हैं। नई नौकरी या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। मेहनत और लगन से किए गए कार्यों में सफलता मिलने की संभावना है। हालांकि विरोधियों से थोड़ा सावधान रहने की जरूरत होगी।

कुंभ

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह वर्ष करियर और कारोबार के लिहाज से शुभ सिद्ध हो सकता है। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकती है। नौकरी और व्यापार दोनों में प्रगति के योग बन सकते हैं। हालांकि सावधानी से कदम बढ़ाने होंगे।

मिथुन

मिथुन राशि वालों के लिए यह वर्ष करियर और शिक्षा के लिहाज से अच्छा साबित होगा। नौकरी में नई उपलब्धियां मिल सकती हैं। उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं। विदेश से जुड़े कार्यों में भी सफलता मिलने के संकेत हैं।

कन्या

कन्या राशि वालों के लिए यह वर्ष मिश्रित परिणाम देने वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा करनी पड़ सकती है, लेकिन उसका फल भी मिलेगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत होगी। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेना बेहतर रहेगा।

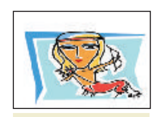

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह वर्ष शिक्षा, ज्ञान और करियर के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम दे सकता है। विद्यार्थियों के लिए यह समय अच्छा रह सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। आर्थिक स्थिति भी धीरे-धीरे मजबूत हो सकती है।

मीन

मीन राशि के लोगों के लिए यह वर्ष आर्थिक रूप से मजबूत साबित हो सकता है। आय में वृद्धि के संकेत मिल सकते हैं। करियर में नई जिम्मेदारियां और अवसर मिल सकते हैं। नौकरी उन्नति के योग हैं। परिवार में सुखद वातावरण बना रह सकता है।

1400 मीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य हुआ शुरू

बारिश के मौसम में दिल्ली रोड नहीं होगा पानी-पानी

जल निकासी का होगा समाधान, नाले के साथ तय होगा सड़क का नया लेवल

- एक करोड़ 64 लाख से किया गया टेंडर
- सड़क निर्माण के बाद दिल्ली आने जाने वाले लाखों लोगों को फायदा
- तारकोल से बनाई जाएगी सड़क, मजबूत और लंबे समय तक चलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के प्रमुख दिल्ली रोड पर लंबे समय से जलभराव और खराब सड़क की समस्या से जूझ रहे लोगों को अब राहत मिलने वाली है। नगर निगम ने सड़क निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी है। निगम द्वारा सड़क पर मलबा डालकर लेवल बढ़ाने का काम शुरू किया गया है, जिससे आने वाले दिनों में यह सड़क करीब एक फुट तक ऊंची हो जाएगी। सड़क निर्माण के दौरान जलभराव वाले क्षेत्र का भी ध्यान रखा गया है। अधिकारियों का दावा है कि सड़क बनने के बाद यहां पानी जमा नहीं होगा। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, यह सड़क करीब 1400 मीटर लंबी है और इसका निर्माण कार्य 1 करोड़ 64 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है। सड़क का नया लेवल पास से गुजर रहे नाले के अनुसार तय किया जा रहा है, ताकि बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या से स्थायी रूप से निजात मिल सके।

सीवर मेनहाल की होगी मरम्मत

सड़क निर्माण के साथ-साथ जल निकासी व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाएगा। इसके तहत सड़क का पानी सीधे नाले में डाला जाएगा, जिससे पानी सड़क पर जमा नहीं होगा। इसके अलावा सीवर मेनहोल की मरम्मत भी की जाएगी, ताकि सीवर ओवरफ्लो की समस्या को रोका जा सके। कई जगह ऊंचे सीवर की वजह से वाहनों के हादसे होते रहते हैं। निर्माण कार्य में तारकोल तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे सड़क मजबूत और टिकाऊ बनेगी। अधिकारियों का दावा है कि सड़क निर्माण के बाद दिल्ली आने-जाने वाले लाखों लोगों को इसका सीधा फायदा मिलेगा और ट्रैफिक भी सुचारू रूप से चलेगा।

आठ साल से टूटी सड़क से परेशान थे लोग

करीब आठ साल से यह सड़क टूटी पड़ी थी। सीवर मरम्मत के नाम पर इसे बार बार तोड़ा गया। पहले यह सड़क पीडब्ल्यूडी बीएंड आर के पास थी, जिसे बाद में नगर निगम के पास स्थानांतरित किया गया। निगम ने सीवर की मरम्मत करवाई और सड़क बनाने के लिए टेंडर जारी किया। अब दिल्ली बाईपास फ्लाईओवर से आगे की सड़क बनने जा रही है।

भर जाता था घुटनों तक पानी

दिल्ली रोड पर हर साल बारिश के दौरान पानी जमा हो जाता था, जिससे वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। कई बार तो सड़क पर घुटनों तक पानी भर जाता था, जिससे यातायात बाधित हो जाता था। लोगों को आने जाने के लिए ओमेक्स और आईएमटी की तरफ से सफर करना पड़ता था। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए निगम ने इस बार सड़क का लेवल ऊंचा करने का फैसला लिया है।

निर्माण कार्य जल्द होगा पूरा

सड़क निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। जल निकासी का पूरा ध्यान रखा गया है। सही लेवल कर सड़क निर्माण किया जाएगा। जल्द ही सड़क निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

-आनंद कुमार शर्मा, नगर निगम आयुक्त

नशे पर नकेल : 3 महीने में 85 केस दर्ज, 120 आरोपी गिरफ्तार

राजस्थान से लाई जा रही थी अवैध शराब की बड़ी खेप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में वर्ष 2026 की शुरुआत के साथ ही नशा तस्करी के खिलाफ पुलिस ने सख्त अभियान चलाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। जनवरी से मार्च के बीच केवल तीन महीनों में 85 केस दर्ज किए गए, जबकि 120 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान चरस, स्मैक, हेरोइन जैसे नशीले पदार्थों के साथ-साथ हजारों लीटर अवैध शराब भी बरामद की गई है। इन आंकड़ों से साफ है कि रोहतक में नशा तस्करी का नेटवर्क गहराई तक फैला हुआ था, जिस पर अब पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी, नाकाबंदी और खुफिया सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई से नशा तस्करों के बड़े नेटवर्क सामने आए हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान केवल छोटे सप्लायर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके जरिए लंबे समय से सक्रिय संगठित गिरोहों को भी ट्रैक कर कार्रवाई की गई है।

सप्लाई चेन : तीन राज्यों से आ रहा नशा

जांच में सामने आया है कि रोहतक में नशे की सप्लाई मुख्य रूप से बाहरी राज्यों से हो रही है। पंजाब बॉर्डर से हेरोइन और चिट्टा, दिल्ली-एनसीआर से सिंथेटिक ड्रग्स और केमिकल आधारित नशा, जबकि राजस्थान से अवैध शराब की बड़ी खेप लाई जा रही है। इन बाहरी स्रोतों से आने वाले नशे को जिले में छोटे-छोटे नेटवर्क के जरिए आगे सप्लाई किया जाता है। स्थानीय स्तर पर कुछ युवक और छोटे तस्कर इन बड़े नेटवर्क की कड़ी बनकर काम कर रहे हैं, जिससे सप्लाई चेन को पूरी तरह तोड़ना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है।

कुल दर्ज केस

- एनडीपीएस एक्ट के तहत ड्रग्स तस्करी
- अवैध शराब निर्माण व सप्लाई
- ट्रांसपोर्ट के जरिए नशे की खेप लाना
- लोकल स्तर पर वितरण नेटवर्क

गिरफ्तार आरोपी

- ड्रग्स सप्लायर
- अवैध शराब कारोबारी
- कुरियर व डिलीवरी करने वाले युवक

फैक्ट्री से लेकर गिरोह तक पर कसा शिकंजा

- **ऑपरेशन चलाए** : तीन महीनों के दौरान पुलिस ने कई अहम ऑपरेशन चलाए, जिनसे नशा तस्करी के बड़े मामलों का खुलासा हुआ।
- **महम में रेड मारी** : पुलिस ने छापेमारी में अवैध शराब की फैक्ट्री पकड़ी। भारी मात्रा में शराब व उपकरण बरामद किए।
- **सांपला में कार्रवाई**: हेरोइन के साथ 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो बाहरी राज्यों से सप्लाई से जुड़े बताए गए।
- **छापेमारी**: एक संगठित ड्रग्स सप्लायर गिरोह का पर्दाफाश, लंबे समय से था सक्रिय।

पुलिस की रणनीति : इंटर-स्टेट नेटवर्क तोड़ने पर फोकस

पुलिस अब नशा तस्करी के इंटर-स्टेट नेटवर्क को तोड़ने पर विशेष ध्यान दे रही है। एसपी सुरेंद्र भौरिया के अनुसार, नशा तस्करी के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" नीति अपनाई गई है और किसी भी स्तर पर लिप्त लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। आने वाले समय में अन्य राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय बढ़ाकर संयुक्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि सप्लाई चेन को पूरी तरह खत्म किया जा सके।

तस्करों के बदलते तरीके

- सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए संपर्क
- बड़ी खेप के बजाय छोटी-छोटी मात्रा में सप्लाई
- युवाओं को लालच देकर कुरियर के रूप में इस्तेमाल
- सामान्य वाहनों और रोजमर्रा के सामान में छिपाकर करते है सप्लाई

बरामद

- चरस, स्मैक, हेरोइन जैसे नशीले पदार्थ
- हजारों लीटर अवैध शराब

नया बस स्टैंड बनाने के लिए एसडीएम की अगुवाई में कमेटी ने देखी चार साइटें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। किशनगढ़ पंचायत की जमीन का निरीक्षण करते हुए एसडीएम विपिन कुमार, जीएम संजीव तिहाल, डीएसपी ऋषभ सोढ़ी व वर्कशॉप मैनेजर सुरेंद्र सिवाच।

महम में नया बस स्टैंड बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके लिए जिला उपायुक्त सचिन गुप्ता को जिम्मेवारी सौंपी गई है। उपायुक्त ने महम के एसडीएम विपिन कुमार की अगुवाई में एक कमेटी गठित की है। कमेटी महम में बाइपास पर बस स्टैंड के लिए जमीन की तलाश कर रही है। बुधवार को फिर से इस कमेटी ने महम में चार साइट देखी हैं। एक साइट महम के रेलवे स्टेशन के पास किशनगढ़ ग्राम पंचायत की साढ़े चार एकड़ जमीन देखी है, जिसको धोबी वाला तालाब के नाम से जाना जाता है। किशनगढ़ की खोजां वाली जोहड़ी और बेरी रोड पर रूपा वाले तालाब की जमीन देखी है। टीम में महम के एसडीएम, रोहतक रोडवेज महाप्रबंधक संजीव, वर्कशॉप मैनेजर सुरेंद्र व महम के डीएसपी ऋषभ सोढ़ी शामिल थे।

विद्यार्थी संतुलित दिनचर्या और स्वस्थ संवाद अपनाएं : प्रो. हुड्डा

रोहतक। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में युवाओं में सकारात्मक भावनाओं का निर्माण: प्रसन्नता का संवर्धन विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मनोविज्ञान विभाग की प्रोफेसर प्रो. दीप्ति हुड्डा ने बतौर मुख्य वक्ता यह व्याख्यान दिया। उन्होंने युवाओं के जीवन में सकारात्मक सोच और मानसिक संतुलन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धा जीवन में युवाओं को अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सकारात्मक भावनाओं का विकास, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रो. दीप्ति हुड्डा ने बताया कि प्रसन्नता, आशावाद, आत्म-स्वीकृति और कृतज्ञता जैसे सकारात्मक भाव युवाओं के व्यक्तित्व को सशक्त बनाते हैं। यदि विद्यार्थी अपने दैनिक जीवन में सकारात्मक सोच, संतुलित दिनचर्या और स्वस्थ संवाद को अपनाएं तो वे तनाव और नकारात्मकता से बेहतर तरीके से निपट सकते हैं। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता के साथ-साथ मानसिक प्रसन्नता और संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। विभाग की अध्यक्ष डॉ. पूजा सुनेजा ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते मनोविज्ञान विभाग की प्रोफेसर एवं मनोवैज्ञानिक प्रो. दीप्ति हुड्डा। फोटो : हरिभूमि

एनसीसी कैडेट्स को दी भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

श्री लालनाथ हिंदू महाविद्यालय की एनसीसी यूनिट ने तृतीय वर्ष के कैडेट्स के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में तृतीय वर्ष के कैडेट्स ने तीन वर्षों के सुनहरे पलों को याद करते हुए अपने अनुभव साझा किए। समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिनमें रुद्राक्षी, खुशबू, मनजीत और जसवंत को बेस्ट कैडेट घोषित किया गया। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट राजेश गहलावत ने बताया कि महाविद्यालय में इस प्रकार का विदाई समारोह पहली बार आयोजित किया गया, जिसे कैडेट्स ने बेहद उत्साह के साथ सफल बनाया। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा ने कहा कि एनसीसी देश सेवा का एक सर्वोत्तम माध्यम है, जो युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करता है।

कार्यशाला बाबा मस्तनाथ विवि में प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैज्ञानिक सिद्धांतों की दी जानकारी

टिकाऊ कृषि पद्धतियों से छात्रों को कराया अवगत

आधुनिक तकनीक और जैविक खेती से मजबूत होगा कृषि क्षेत्र : डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्विद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेस द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में "जैविक खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को टिकाऊ कृषि पद्धतियों, विशेष रूप से जैविक एवं प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक सिद्धांतों तथा आधुनिक तकनीकों से अवगत कराना था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बीएम यादव ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में कृषि क्षेत्र कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनमें मृदा की घटती उर्वरता, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का बढ़ता उपयोग तथा पर्यावरणीय असंतुलन प्रमुख हैं। डॉ. यादव ने कहा कि आने वाला समय टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल कृषि प्रणालियों का है। इसलिए कृषि के विद्यार्थियों को केवल पारंपरिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों और जैविक खेती की पद्धतियों को भी समझना चाहिए। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि कृषि केवल उत्पादन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था और समाज की आधारशिला भी है।

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित जैविक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मुख्य अतिथि के साथ विद्यार्थी गण व अन्य स्टाफ। *फोटो : हरिभूमि*

कृषि पद्धतियों को अपनाना जरूरत

मुख्य अतिथि विपिन सैनी ने विद्यार्थियों को बताया कि टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना आज के समय की बड़ी आवश्यकता है। अपने प्रस्तुतीकरण में उन्होंने जैविक खेती की व्यावहारिक तकनीकों, इसके लाभों और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेस के अध्यक्ष डॉ. दिलबाग सिंह ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को आधुनिक और टिकाऊ कृषि प्रणालियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उन्हें कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं से परिचित कराते हैं।

45वीं नेशनल वेटरन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एमडीयू के कर्मचारियों ने 27 पदक जीते

■ गुरु काशी, विवि तलवंडी, साबो के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मे हाल ही में संपन्न हुई प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। विजेता खिलाड़ी अपने मेडल के साथ। फोटो : हरिभूमि

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कर्मियों ने गुरु काशी, विश्वविद्यालय, तलवंडी, साबो (जिला भटिंडा, पंजाब) के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मे हाल ही में संपन्न हुई 45वीं वेटरन एथलेटिक्स चैंपियनशिप मे शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 27 पदक प्राप्त किए। इस प्रतियोगिता में 10 गोल्ड,12 सिल्वर और 5 कांस्य पदक जीतकर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। एमडीयू गैर शिक्षक संघ के प्रधान सुरेश कौशिक, जनरल सेक्रेटरी डॉ. विजय पाल सहित कर्मी यशपाल हुड्डा, सुनील कुमार, दीपक सैनी, संजीव सैनी, राजेश कुमार, अंशुल पाठक, सुनील सैनी, सुमन लता, पंकज गाबा, राजकुमार, भूदत, राकेश शर्मा, दलवीर सिंह, वरुण कुमार,अमरजीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 27 पदक जीते जिसमे 10 गोल्ड,12 सिल्वर,05 कांस्य पदक हासिल किए। गैर शिक्षक कर्मचारी संघ प्रधान सुरेश कौशिक ने इस उपलब्धि के लिए प्रतिभागी कर्मियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सभी कर्मचारियों की मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। प्रधान ने कहा कि खेलों में भाग लेने से कर्मी स्वस्थ रहते हैं और उनकी कार्य क्षमता में भी इजाफा होता है। उन्होंने कहा कि एमडीयू में कर्मियों में खेल संस्कृति विकसित के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन पूरा प्रोत्साहन दे रहा है जिसके लिए संघ कुलपति प्रो सोमनाथ सचदेवा और कुलसचिव डॉ कृष्णकांत का आभार प्रकट करता है।

महर्षि दयानंद विवि में विशेषज्ञ व्याख्यान
एप्टामर चयन की अभिनव विधि के बारे में विस्तार से दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. नवीन कुमार को सम्मानित करते सीएमबीटी निदेशक डॉ. हरि मोहन।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी में फ्रॉम सिलेक्शन टू सेंसिंगः वन-स्टेप ऑप्टमेर सिलेक्शन एंड कंटीन्यूअस स्ट्रेस मॉनिटरिंग विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. नवीन कुमार सिंह ने बतौर मुख्य वक्ता एक चरणीय एप्टामर चयन की अभिनव विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह विधि पारंपरिक चयन पद्धतियों की सीमाओं को दूर करते हुए कम समय में अधिक सटीक और विशिष्ट जाँच अणुओं के विकास को संभव बनाती है। उन्होंने कहा कि इन एप्टामरों का उपयोग पहनने योग्य जैव संवेदक उपकरणों के माध्यम से कॉर्टिसोल जैसे जैव संकेतकों का त्वरित पता लगाकर व्यक्ति के तनाव स्तर की निरंतर निगरानी में किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि नैनो प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म द्रविकी तकनीक के समन्वय से संवेदकों की संवेदनशीलता, सटीकता तथा त्वरित विश्लेषण क्षमता को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

खबर संक्षेप

बायोइन्फॉर्मेटिक्स इन लाइफ साइंस पर व्याख्यान

रोहतक। अखिल भारतीय जाट सुरमा स्मारक महाविद्यालय में जीव और वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा रोल ऑफ़ बायोइनफॉर्मेटिक्स इन लाइफ साइंस विषय पर विशेष व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता एमडीयू के सेन्टर आफ बायोइनफॉर्मेटिक्स की निदेशक डॉ. महक दांगी रहीं। उन्होंने बताया कि बायोइन्फॉर्मेटिक्स एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें जीवविज्ञान , कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी का मिश्रण होता है। इसका उपयोग जैविक डेटा (जैसे डीएनए, आरएनए, प्रोटीन) को समझने और विश्लेषण करने के लिए किया जाता है।

डीएवी स्कूल में आर्य समाज स्थापना सप्ताह आज से

रोहतक। डीएवी पब्लिक स्कूल डीएलएफ कॉलोनी में स्थापित आर्य समाज के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 'आर्य समाज स्थापना सप्ताह' का भव्य शुभारंभ 19 मार्च से किया जाएगा। यह आयोजन 25 मार्च तक चलेगा, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक संस्कृति, आर्य समाज के सिद्धांतों और स्वामी दयानंद के आदर्शों से जोड़ना है। कार्यक्रम की शुरुआत पावन यज्ञ से होगी। सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों के लिए वैदिक मंत्रोच्चारण एवं भजन प्रतियोगिता होगी, जिसमें वे ईश-वंदना प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा 'वेदों की ओर लौटो' और 'समाज सुधार में आर्य समाज का योगदान' विषयों पर भाषण स्पर्धा भी करवाई जाएगी।

19 से 27 मार्च तक संकट मोचन मंदिर में कलश स्थापना से शुरू होगा उत्सव

नवरात्र महोत्सव के लिए सजे मंदिर 9 दिन तक गूंजेगी मां दुर्गा की स्तुति

साध्वी मानेश्वरी देवी ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दुर्गा भवन मंदिर सजा।

चैत्र नवरात्र महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में यह महोत्सव 19 मार्च से 27 मार्च तक श्रद्धा, भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों, फूल-मालाओं और आकर्षक सजावट से भव्य रूप दिया गया है। साध्वी मानेश्वरी देवी ने बताया कि नवरात्रि हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जिसमें माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। इन नौ दिनों में मां शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की विधिवत आराधना की जाती है। इस पावन अवसर पर ब्रह्मलीन साध्वी गुरुमां गायत्री के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित होंगे। सचिव गुलशन भाटिया ने बताया कि नवरात्र के प्रथम दिन बृहस्पतिवार को प्रातः 11 बजे विधिवत कलश स्थापना और खेतरी बोई जाएगी। इसके लिए शुभ मुहूर्त सुबह 6:26 से 7:57 बजे तक, चर मुहूर्त 10:58 से 12:29 बजे तक, लाभ मुहूर्त 12:29 से 2:00 बजे तक तथा अमृत मुहूर्त दोपहर 2:00 से 3:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। नवरात्र के नौ दिनों तक मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। प्रतिदिन सायं 4 बजे से 6 बजे तक दुर्गा स्तुति पाठ, प्रवचन और आरती का आयोजन किया जाएगा। गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी श्रद्धालुओं को धर्म और भक्ति का संदेश देंगी।

भक्तजन मां से लेंगे आशीर्वाद

भक्तजन इस दौरान जल, गंगाजल, फल-फ्रूट, नारियल और लाल चुनरी अर्पित कर मां का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। मान्यता है कि नवरात्र में व्रत और पूजा-अर्चना करने से जीवन में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली का वास होता है तथा सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मंदिर प्रबंधन के अनुसार इस बार माँ दुर्गा का आगमन पालकी पर माना जा रहा है, जो विशेष शुभ संकेत है। पूरे शहर में नवरात्र महोत्सव को लेकर श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

मिट्टी निकालते भक्तजन

शीतला माता मंदिर में भक्तों ने की पूजा-अर्चना

रोहतक। शीतला माता मंदिर में दूसरे बुधवार को भी मेले का आयोजन किया गया। दूर दराज से आए भक्तों ने माता मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान माता शीतला पर चुनरी और प्रसाद चढ़ाया गया। आने वाले दो बुधवार को भी यहां मेले लगेंगे।

पूजा करने आए भक्तजनों की लाइन

न्यूज डायरी

भगवान श्री परशुराम स्मृति स्थल निर्माण की घोषणा

रोहतक। हरियाणा के इतिहास में पहली बार ब्राह्मण समाज को एक ऐतिहासिक सौगात प्राप्त हुई है। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा द्वारा विधानसभा में भगवान परशुराम स्मृति स्थल के निर्माण की मांग को प्रमुखता से उठाया गया था। इस मांग को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी ने भगवान श्री परशुराम का स्मृति स्थल एवं पार्क रोहतक के सेक्टर-26, गांव पहरावर के समीप लगभग 4 एकड़ भूमि में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के माध्यम से विकसित किए जाने की घोषणा की है। यह निर्णय न केवल ब्राह्मण समाज के लिए गर्व का विषय है, बल्कि प्रदेश में सांस्कृतिक एवं धार्मिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। भगवान परशुराम आश्रम जनकल्याण समिति के पदाधिकारियों एवं आजीवन सदस्यों ने इस ऐतिहासिक घोषणा के लिए मुख्यमंत्री एवं कैबिनेट मंत्री का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

डोर-टू-डोर अभियान से जगाई स्वच्छता की अलख

रोहतक। स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। नगर निगम आयुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि निगम की टीमें प्रतिदिन विभिन्न वार्डों में घर-घर जाकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही हैं। अभियान के तहत लोगों को गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग रखने, निर्धारित समय पर निगम के वाहनों को कचरा देने और इधर-उधर कूड़ा न फैलाने के बारे में विस्तार से समझाया जा रहा है। साथ ही प्रत्येक परिवार को दो डस्टबिन रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि स्रोत स्तर पर ही कूड़ा पृथक्करण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि सही तरीके से कचरे का पृथक्करण करने से न केवल शहर साफ-सुथरा रहता है, बल्कि कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण, रिसाइक्लिंग और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। इस दौरान निगम की टीमें लोगों की समस्याएं भी सुन रही हैं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों तक जानकारी पहुंचा रही हैं। स्वच्छता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए डिजिटल माध्यमों का भी सहारा लिया जा रहा है।

घर-घर कूड़ा पृथक्करण पर दिया जोर

रोहतक। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पं. श्रीराम शर्मा रंगशाला में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सफाई कार्य से जुड़े हेल्पर, सुपरवाइजर और अन्य कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। नगर निगम आयुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि स्वच्छता को लेकर शहर में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। नागरिकों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जा सके। उन्होंने कहा कि घर-घर से कचरे का पृथक्करण स्वच्छ शहर की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यशाला के दौरान हेल्परों को निर्देश दिए गए कि वे प्रत्येक घर पर जाकर न केवल कूड़ा एकत्रित करें, बल्कि लोगों को कूड़ा अलग-अलग देने के लिए जागरूक भी करें।

जल आपूर्ति व मानसून तैयारियां मिशन मोड में करें

रोहतक। ग्रीष्मकालीन जल आपूर्ति और मानसून तैयारियों को लेकर प्रशासन ने सक्रियता बढ़ा दी है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने सभी संबंधित विभागों को मिशन मोड में कार्य करने और तय समयसीमा में कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय लघु सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने कहा कि हर घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी के दौरान निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। अवैध जल कनेक्शनों को काटने, पाइपलाइन लीकेज रोकने और टेल-एंड क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में बताया गया कि शहर में नहर आधारित जलघरों और ट्यूबवेल के माध्यम से जल आपूर्ति की जा रही है। साथ ही जल ढांचे को मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपये की परियोजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें नई पाइपलाइन बिछाना और जलघरों की क्षमता बढ़ाना शामिल है।

शहीदों के कदमों पर चलते हुए ही छात्र और युवा कामयाब हो सकते हैं : रणधीर कटारिया

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में एसएफआई एमडीयू यूनिट ने शहीद राजगुरु, सुखदेव, भगत सिंह के 95वें शहादत दिवस के मौके पर तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत पोस्टर प्रदर्शनी व बुक स्टॉल लगायी। पहले दिन साहित्यिक बुक स्टॉल व पोस्टर प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में एमडीयू नॉन टीचिंग के पूर्व प्रधान रणधीर सिंह कटारिया ने स्वामी विवेकानंद लाइब्रेरी लोन में बुक स्टॉल पर पहुंचकर शहीदों को पुष्प अर्पित करते हुए छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में हमारे स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को जानते हुए उनके कदमों पर चलते हुए ही छात्र और युवा कामयाब हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज भगत सिंह और उनके साथियों को नई पीढ़ी के युवा भूलने लगे हैं लेकिन उनकी विरासत को भूलाया नहीं जा सकता।

गांव की भौगोलिक स्थिति की जानकारी दी

रोहतक। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का तीसरा दिन उत्साह और सेवा भावना के साथ संपन्न हुआ। दिन की शुरुआत प्रातः 6 बजे योग अभ्यास से हुई। पहले सत्र में गांव के सरपंच अनूप ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उनका स्वागत किया और गांव की भौगोलिक स्थिति तथा सामाजिक परिवेश के बारे में जानकारी दी। दूसरे सत्र में स्वयंसेवकों को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित कर गांव में सर्वेक्षण और जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके बाद स्वयंसेवकों को रोहतक स्थित जनसेवा संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम और अनाथालय का भ्रमण कराया गया।

सांपला में जाम को लेकर सख्ती
अब सड़क पर खड़े वाहनों के होंगे ऑनलाइन चालान

■ डीएसपी ने सांपला-बहादुरगढ़ रोड से बाजार में किया पैदल मार्च

सांपला। सांपला के मुख्य बाजार में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या को गंभीरता से लेते हुए पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इसी कड़ी में डीएसपी राकेश मलिक ने बुधवार को सांपला मेन बाजार व आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। डीएसपी ने सांपला-बहादुरगढ़ रोड से बाजार में पैदल मार्च कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों की तस्वीरें खींचीं। उन्होंने वाहन चालकों को स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में सड़क पर वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ सीधे ऑनलाइन चालान किए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारी को मौके पर कार्रवाई करते देख बाजार में हलचल मच गई। कई वाहन चालकों ने तुरंत अपने वाहन हटाए और आगे से नियमों का पालन करने का आश्वासन दिया। पहली बार गलती मानने पर उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
- Neuro Surgery
- General Medicine
- General Surgery
- Orthopedics
- ब्रेन, रीड़ की हडिड्यों का ईलाज
- दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
- पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज
फौजी भाईयों का इलाज ECHS
● हरियाणा सरकार
● आयुष्मान भारत
● ESIC
के पैनल पर
DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

कलानौर में दुकान से सामान व नकदी चुराने में दो दबोचे

रोहतक। पुलिस ने कलानौर क्षेत्र में दुकान से हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है और चोरी किए गए सामान की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार, यह वारदात योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दी गई थी और आरोपियों का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है।

दो दिन के रिमांड पर

ऐसे हुई चोरी की वारदात

थाना कलानौर के प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह ने बताया कि गांव गुढाण निवासी अश्वनी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता की कलानौर में हार्डवेयर और सेनेटरी की दुकान है। 8 मार्च की रात को अज्ञात चोर दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और वहां से पीतल व प्लास्टिक का सामान, करीब 4500 रुपये नकद और अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। सुबह दुकान खोलने पर चोरी का पता चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

जांच में ऐसे मिले सुराग

मामले की जांच सब-इंस्पेक्टर दिनबंधु द्वारा की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के साक्ष्य जुटाए और संदिग्धों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर 17 मार्च को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने राहुल उर्फ बच्ची निवासी गांव बामला, नवीन उर्फ भोपाल निवासी गांव बामला को गिरफ्तार किया है।

कूड़ा फेंकने के विवाद ने लिया उग्र रूप, महिला पर हमला

सांपला। गांव किसरेटी में गली में कूड़ा डालने को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसा में बदल गया। झगड़े के दौरान एक महिला को निशाना बनाते हुए उस पर ईंटों से हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता कमलेश पत्नी धर्मबीर के अनुसार, उसके बेटे प्रवीन और पड़ोसी राकेश के बीच गली में कूड़ा डालने को लेकर बहस हो गई थी। यह कहासुनी कुछ देर बाद बड़े विवाद में तब्दील हो गई।

तीन पर केस दर्ज

गंभीर चोटें आईं, दांत टूटा

आरोप है कि राकेश अपनी पत्नी मुन्नी और साथी पवन के साथ कमलेश के घर पहुंचा। वहां तीनों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। हमले में ईंटों का इस्तेमाल किया गया, जिससे महिला को गंभीर चोटें आईं और उसका एक दांत भी टूट गया। पीड़िता का कहना है कि आरोपियों ने मारपीट के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग निकले। घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका मेडिकल परीक्षण किया गया। रिपोर्ट में चोटों की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच जारी है और आरोपियों की तलाश में टीमों द्वारा छापेमारी की जा रही है।

उपलब्धि — 2015 में हुआ कुश्ती का सफर, 2020 में घायल हुए तो 6 माह रहे खेल से दूर

म्हारे पहलवान प्रिंस ने खेल जगत में गाड़े झंडे एशियन चैंपियनशिप में करेगा देश का प्रतिनिधित्व

रोहित डागर ▶▶| रोहतक

दांव लगाता प्रिंस।

हरियाणा की मिट्टी ने एक बार फिर देश को एक ऐसा हीरा दिया है जिसने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय कुश्ती के मैदान में भी अपनी धाक जमाई है। रोहतक जिले के गांव समर गोपालपुर निवासी प्रिंस का चयन एशियन रेसलिंग चैपियनशिप में हुआ है। प्रिंस ने ग्रीको-रोमन कुश्ती में अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर कई बड़े खिताब अपने नाम किए हैं । प्रिंस के कुश्ती के सफर की शुरुआत साल 2015 में हुई थी। उन्हें इस खेल की प्रेरणा अपने ही गांव के स्वर्गीय देवीलाल पहलवान (कोच) से मिली। प्रिंस के पिता सोमबीर सिंह प्राइवेट कॉलेज में क्लर्क हैं और उनके बड़े भाई निखिल भी नेशनल स्तर के पहलवान हैं, जबकि माता बबली गृहिणी हैं। सफलता की यह राह प्रिंस के लिए इतनी आसान नहीं थी। साल 2020 में प्रैक्टिस के दौरान प्रिंस के एंकल (टखने) में गंभीर चोट लग गई थी, जिसके लिए उन्हें ऑपरेशन करवाना पड़ा। लगभग 6 महीने तक खेल से दूर रहने और कड़े संघर्ष के बाद उन्होंने मैट पर वापसी की और पदक जीतकर सबको हैरान कर दिया। प्रिंस सोनीपत की स्वामी भूमानंद कुश्ती अकादमी सफियाबाद में अभ्यास करता है। एशियन चैंपियनशिप में चयन होने पर महाराज अच्युतानंद ने उन्हें आशीर्वाद दिया। साथ ही कोच सुरेन्द्र कादयान, कोच नितिन शर्मा, कोच सचिन शर्मा, अमित, अंकुश शर्मा, सुमित गूंगा, अंतर्राष्ट्रीय पहलवान रवि शर्मा ने प्रिंस पहलवान को बधाई दी।

प्रिंस की उपलब्धियां

वर्ष 2025 में तीसरी वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज' में रजत पदक, एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2025 और 2026 में अल्बानिया, क्रोएशिया और सर्बिया जैसी विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी देश का प्रतिनिधित्व किया। 2025 में सीनियर नेशनल रेसलिंग और ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किए। 2025 और 2024 में आयोजित अंडर-20 नेशनल रेसलिंग में भी लगातार प्रथम स्थान प्राप्त किया। 2022 के 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' और 'डब्लूएफआई ग्रैंड प्रिक्स में भी स्वर्ण पदक जीता। 2024 और 2025 की हरियाणा स्टेट सीनियर चैंपियनशिप में भी लगातार स्वर्ण पदक जीते हैं।

खबर संक्षेप

मजदूर के खाते से निकाले 48 हजार

सांपला। कस्बे में साइबर ठगी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। हाल में साइबर ठग ने एक मजदूर के खाते से 48 हजार रुपये निकाल लिए। पुलिस ने बिहार निवासी अमित के बयान पर अज्ञात व्यक्ति पर ठगी का मामला दर्ज कर लिया है। अमित ने बताया कि वह प्राइवेट कंपनी में काम करता है। उसका एचडीएफसी बैंक में खाता है। फरवरी व मार्च मैं उसके खाते से 48000 निकाल लिए। जब उन्होंने बैंक में पता किया तो बताया गया कि मनी वे गोल्ड नमक एक कंपनी में यह पैसा गया है।

मनोविज्ञान में करियर के बारे में जानकारी दी

रोहतक। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मनोवैज्ञानिक और परामर्शदाता राज आलमपुर ने मनोविज्ञान में करियर के क्षेत्र, आरसीआई अप्रूव्ड काउंसलिंग कोर्सेज और इंटर्नशिप के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने मनोविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे काउंसलिंग साइकोलॉजी, क्लिनिकल साइकोलॉजी, मिलिट्री साइकोलॉजी, आर्गेनाईजेशन बिहेवियर साइकोलॉजी, इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी, फॉरेंसिक साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी और एजुकेशनल साइकोलॉजी में उपलब्ध रोजगारों की चर्चा की। मौके पर मनोविज्ञान विभाग से विभागाध्यक्षा डॉ. नीलम मंगला, डॉ. विनोद, डॉ. अंकिता तथा मैडम कविता उपस्थित रहे।

कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसान मेला 23 व 24 को

रोहतक। कृषि विज्ञान केंद्र की संयोजक डॉ. मीना सिवाच ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में 23 और 24 मार्च को दो दिवसीय कृषि मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रदेशभर से किसान पहुंचेंगे। मेले में किसानों को खेती से जुड़ी आधुनिक तकनीकों, उन्नत बीजों और नवीन कृषि यंत्रों की जानकारी दी जाएगी। सिवाच ने कहा कि मेले में खरीफ फसलों के बारे में किसानों को अवगत कराया जाएगा। किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने, कीट प्रबंधन और जल संरक्षण के तरीकों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन मिलेगा।

ओलावृष्टि की आशंका से किसानों की बढ़ी चिंता

बदला मौसम...दिन में धूप, शाम को बारिश, आज और कल भी ऐसा ही रहेगा मिजाज, फसलों पर खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते बुधवार शाम को रोहतक व इसके आसपास के क्षेत्र में मौसम ने करवट ली। दिनभर साफ रहे आसमान के बाद शाम होते-होते बादल घिर आए और कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार यह बदलाव अभी थमने वाला नहीं है, क्योंकि गुरुवार और शुक्रवार को भी प्रदेश में बारिश और तेज हवाओं के संकेत हैं। आईएमडी चंडीगढ़ के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में नमी बढ़ गई है, जिससे बादल बनने की प्रक्रिया तेज हुई है। इसके चलते कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि की भी संभावना जताई जा रही है। खासकर रात और सुबह के समय मौसम ज्यादा सक्रिय रह सकता है। आईएमडी चंडीगढ़ ने पिछले दिनों पूर्वानुमान जारी किया था कि 19 और 20 मार्च को हरियाणा में वस्टर्न डिस्ट्रबेंस के एक्टिव होने की वजह से हल्की बारिश हो सकती है। लेकिन उससे पहले ही 18 मार्च की शाम को रोहतक जिले में कहीं-कहीं बारिश हुई। मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। इस समय गेहूं की फसल पकने की अंतिम अवस्था में है, जबकि सरसों की कटाई भी कई जगह शुरू हो चुकी है। ऐसे में बारिश और तेज हवाओं से फसलों को नुकसान हो सकता है। खड़ी फसल के गिरने का खतरा भी बढ़ गया है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि फसल की कटाई में सावधानी बरतें। कटाई को कुछ समय के लिए टालने या पहले से तैयार फसल को सुरक्षित स्थान पर रखने की व्यवस्था करें।

सलाह : खेतों में सिंचाई न करें

कृषि विशेषज्ञों का किसानों से अनुरोध है कि जब तक मौसम पूरी तरह साफ न हो, वे फसलों में सिंचाई न करें। इस समय गेहूं और सरसों के अलावा सब्जी वाली फसलें हैं। चूंकि गेहूं और सरसों पकाई की अवस्था में हैं। ऐसे इन्हें अब सिंचाई की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है, लेकिन सब्जी की फसलों में किसान, जब जरूरत होती है, सिंचाई करते हैं, लेकिन अब मौसम बदला है तो वे सब्जी फसलों की सिंचाई बिल्कुल भी न करें। मौसम विभाग के अनुसार इस सिस्टम का असर शुक्रवार तक बना रह सकता है, जिसके बाद मौसम में धीरे-धीरे सुधार होने की संभावना है। हालांकि इस दौरान तापमान में हल्की गिरावट और ठंडी हवाओं का दौर भी जारी रह सकता है। कुल मिलाकर मौसम का यह मिजाज किसानों के लिए चिंता का विषय बना गया है।

बेमौसम बारिश और तेज हवाओं से गेहूं सरसों की फसल को भारी नुकसान

सांपला। कस्बे में बुधवार को हुई बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में तैयार खड़ी गेहूं और सरसों की फसल को इस अचानक बदले मौसम ने काफी नुकसान पहुंचाया है। किसानों के अनुसार, जहां सरसों की फसल पूरी तरह पककर तैयार थी, वहीं तेज हवाओं और बारिश के कारण उसकी फलियां झड़ गईं, जिससे उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा। किसान रमेश, सीताराम, रोशन, अशोक और हरिओम ने बताया कि गेहूं की फसल भी इस मौसम की मार से नहीं बच सकी। तेज हवाओं के चलते गेहूं की फसल खेतों में गिर गई है। गिरी हुई फसल में दाने सही तरीके से पक नहीं पाते, जिससे गुणवत्ता और पैदावार दोनों प्रभावित होती हैं। किसानों का कहना है कि यदि मौसम जल्द सामान्य नहीं हुआ तो नुकसान और बढ़ सकता है। इस समय गेहूं और सरसों दोनों फसलें कटाई के करीब थीं, ऐसे में यह बारिश किसानों के लिए किसी आपदा से कम नहीं है। कई किसानों ने सरकार से मांग की है कि फसल के नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि इस तरह का बेमौसम बदलाव खेती के लिए गंभीर संकेत है। फिलहाल किसान आसमान की ओर देख रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि मौसम जल्द साफ हो, ताकि बाकी बची फसल को बचाया जा सके।

ताजा मामला एग्रीस्टैक का : 4,12,528 में से सिर्फ 51,613 किसानों का ही पंजीकरण

ऑनलाइन योजनाओं में 86 फीसदी नाम मिस मैच, नहीं हो रहे रजिस्ट्रेशन

- आधारकार्ड व राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नाम का अंतर बना बड़ी बाधा

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

जिले में एग्रीस्टैक कार्ड बनाने की प्रक्रिया अब तकनीकी उलझन में फंस गई है। नवंबर- दिसंबर से शुरू हुए इस अभियान की रफ्तार शुरुआती दिनों में ठीक रही, लेकिन अब यह लगभग ठहराव की स्थिति में आ चुकी है। जिले में कुल 4,12,528 कृषि योग्य बुकेट हैं, जिनके किसानों को एग्रीस्टैक कार्ड बनवाने हैं, लेकिन 18 मार्च बुधवार तक केवल 51,613 बुकेट का ही पंजीकरण हो पाया है। आंकड़ों की तस्वीर साफ बताती है कि अभी तक महज 13.27 प्रतिशत किसान ही इस योजना से जुड़ पाए हैं, जबकि 86.73 प्रतिशत किसान रजिस्ट्रेशन से वंचित हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह आधार कार्ड और राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में दर्ज नामों का मेल न खाना बताया जा रहा है।

समाधान करे सरकार

प्रशासनिक स्तर पर भी इस समस्या को गंभीरता से लिया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि राजस्व रिकॉर्ड और आधार डाटा के मिलान के लिए विशेष अभियान चलाने की योजना बनाई जा रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों को इस योजना से जोड़ा जा सके। एग्रीस्टैक योजना का उद्देश्य किसानों का एक डिजिटल डाटाबेस तैयार करना है, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से मिल सके। लेकिन फिलहाल जिले में यह योजना तकनीकी खामियों के कारण अपनी ही रफ्तार से जूझ रही है। यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं निकला, तो बड़ी संख्या में किसान इस योजना से बाहर रह सकते हैं। ऐसे में जरूरत है कि सरकार और प्रशासन मिलकर नामों के इस मिलान संकट को जल्द सुलझाएं। ताकि एग्रीस्टैक का पहिया फिर से गति पकड़ सके और किसानों को इसका पूरा लाभ मिल सके।

सीएससी के चक्कर काट रहे किसान

दरअसल, कई मामलों में जमीन मालिकों के नाम राजस्व रिकॉर्ड में पुराने या अलग तरीके से दर्ज हैं, जबकि आधार कार्ड में नए या संशोधित नाम हैं। कहीं स्पेलिंग की गलती है, तो कहीं पिता या पति के नाम में अंतर। यही छोटा सा फर्क अब एक बड़ी दीवार बन गया है। जिसके कारण एग्रीस्टैक का सिस्टम आगे बढ़ ही नहीं पा रहा। किसान बार-बार कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) और संबंधित विभागों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन समाधान आसान नहीं है। नाम सुधार की प्रक्रिया लंबी और जटिल होने के कारण पंजीकरण की रफ्तार लगातार धीमी होती जा रही है।

ये होती है एग्री बुकेट

एग्री बुकेट खेती की जमीन का एक डिजिटल समूह होता है। एग्रीस्टैक प्रोजेक्ट के तहत केंद्र सरकार पूरे देश की कृषि भूमि और किसानों का डिजिटल डाटाबेस बना रही है। इसी प्रक्रिया में जमीन को छोटे-छोटे हिस्सों या यूनिट में बांटा जाता है, जिन्हें एग्री बुकेट कहा जाता है। मान लें कि किसी किसान के पास अलग-अलग जगहों पर जमीन है या एक गांव में कई किसानों की जमीन आपस में जुड़ी हुई है। एग्रीस्टैक सिस्टम इन जमीनों को एक तय माप या रिकॉर्ड के आधार पर डिजिटल रूप से समूहित करता है। इसी समूह को केंद्र सरकार ने एग्री बुकेट का नाम दिया है।

ऐसे ठीक करवाएं स्पेलिंग

सबसे पहले अपने गांव के पटवारी से संपर्क करें। उन्हें अप्लीकेशन दें। जिसके साथ आधारकार्ड , पैन कार्ड, वोटर आईडी, जमीन से जुड़े दस्तावेज जैसे की जमाबंदी, खसरा नंबर दें। इसके बाद पटवारी-कानूनगो रिकॉर्ड की जांच करेगा। सत्यापन के बाद फाइल तहसीलदार के पास जाती है। उनकी स्वीकृति के बाद रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग दुरुस्त कर दी जाएगी। सुधार होने के बाद नई जमाबंदी/रिकॉर्ड की कॉपी निकलवाएं और उसे एग्रीस्टैक रजिस्ट्रेशन में उपयोग करें।

खंड	कुल बुकेट	पंजीकरण बुकेट	बकाया	प्रतिशत
लाखनमाजरा	30218	4163	26055	84
महम	80112	11333	68799	80.3
रोहतक	170277	19636	150640	82.25
कलानौर	59981	8183	51798	93.54
सांपला	71940	8298	63642	93.58
कुल	412528	51613	360935	86.73

बिना आधारकार्ड जीरो हैं आप

आधारकार्ड वर्तमान में समय कितना महत्वपूर्ण दस्तावेज बन चुका है। बैंक खाता, पैन कार्ड, मोबाइल नंबर, हरियाणा में परिवार पहचान पत्र, वोटर आईडी, गैस कनेक्शन, किसी भी प्रकार की पेंशन, आय, जाति और रिहायशी प्रमाण पत्र से लिंक होता है। ऐसे में आप सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं कि आधारकार्ड के बिना कुछ भी नहीं हो सकता है। इसलिए आधारकार्ड में आपके नाम की जो स्पेलिंग दर्ज है, वह दूसरे सरकारी दस्वावेजों में भी होनी चाहिए।

किसान सभा ने खड़े किए सवाल, कहा

गेट पास के लिए किसानों का अंगूठा मंजूर नहीं

सरकारी मंडियों में लग जाएगी किसानों की कतार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

राज्य में फसल खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों से गेट पास जारी करने के लिए बायोमेट्रिक (अंगूठा लगवाने) की अनिवार्यता पर किसान संगठनों ने आपत्ति जताई है। किसान सभा ने इस व्यवस्था को किसानों के लिए अतिरिक्त परेशानी बताते हुए सरकार से इसे तुरंत वापस लेने की मांग की है। राज्य प्रधान बलबीर सिंह और महासचिव सुमित दलाल ने बताया कि कि मंडियों में पहले से ही लंबी कतारें और अव्यवस्था बनी रहती है, ऐसे में बायोमीट्रिक सत्यापन की शर्त जोड़ने से प्रक्रिया और धीमी हो जाएगी। कई किसानों के अंगूठे मशीन में सही से स्कैन नहीं हो पाते, खासकर बुजुर्ग किसानों और खेतों में काम करने वाले मजदूरों के हाथों की त्वचा घिसी होने के कारण दिक्कत आती है। इससे उन्हें बार-बार प्रयास करना पड़ता है और समय बर्बाद होता है। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि तकनीकी खामियों के कारण कई बार मशीनें काम नहीं करतीं या नेटवर्क की समस्या आ जाती है, जिससे किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में फसल लेकर आए किसानों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि इस व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना बायोमेट्रिक प्रणाली लागू करने का उद्देश्य

दूसरी ओर, सरकार का कहना है कि बायोमेट्रिक प्रणाली लागू करने का उद्देश्य खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और फर्जीवाड़े को रोकना है। अधिकारियों के अनुसार, इस व्यवस्था से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि वास्तविक किसान ही अपनी फसल बेच रहे हैं और किसी प्रकार की धांधली न हो। फिलहाल, इस मुद्दे पर किसान संगठनों और सरकार के बीच टकराव की स्थिति बनती नजर आ रही है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि सरकार इस व्यवस्था में कोई बदलाव करती है या किसान संगठनों का विरोध और तेज होता है।

जरूरतमंदों की सेहत का सहारा बनी मेडिकल सर्विस सेंटर संस्था

स्लम क्षेत्रों में महिलाओं-बच्चों को दवाइयां, हर माह सेनेटरी पैड और सर्दियों में गर्म कपड़ों का वितरण, स्वास्थ्य शिविरों से मिल रही बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

स्लम क्षेत्रों में मेडिकल सर्विस सेंटर संस्था जरूरतमंद लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरी है। यह संस्था लगातार महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रही है। संस्था द्वारा समय-समय पर दवाइयों का वितरण किया जाता है, जिससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को काफी राहत मिल रही है।

इस नेक कार्य में पंडित भगवत दयाल शर्मा पीजीआईएमएस की फाइनल ईयर की छात्रा पूनम भी सक्रिय रूप से जुड़ी हुई हैं। डॉ. पूनम ने बताया कि संस्था की विशेष पहल के तहत महिलाओं को हर माह सेनेटरी पैड उपलब्ध करवाए जाते हैं, जिससे उन्हें स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिलती है। इसके अलावा सर्दियों के मौसम में जरूरतमंदों को गर्म कपड़े भी वितरित किए जाते हैं, ताकि वे ठंड से सुरक्षित रह सकें। इस प्रकार संस्था केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि जीवन की मूलभूत जरूरतों का भी ध्यान रख रही है। मेडिकल सर्विस सेंटर द्वारा नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए जाते हैं। इन शिविरों में महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक दवाइयां दी जाती हैं। संस्था के प्रयासों से कई महिलाओं की सामान्य और गंभीर बीमारियों का समय रहते इलाज संभव हो पाया है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

समाज सेवा करने का मिल रहा मौका

डॉ. पूनम ने बताया कि संस्था के साथ मिलकर वे स्लम क्षेत्रों में जाकर लोगों

की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को समझती हैं और उनके समाधान के लिए प्रयास करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्य से उन्हें समाज की सेवा करने का अवसर मिल रहा है और जरूरतमंदों की मदद कर उन्हें आत्मिक संतोष भी प्राप्त होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले उन्हें छोटी-छोटी बीमारियों के लिए भी इधर-उधर भटकना पड़ता था, लेकिन अब संस्था की मदद से उन्हें समय पर इलाज और दवाइयां मिल रही हैं। खासकर महिलाओं के लिए यह पहल बेहद लाभकारी साबित हो रही है। मेडिकल सर्विस सेंटर संस्था का यह प्रयास समाज के लिए एक प्रेरणा है, जो यह दर्शाता है कि सामूहिक सहयोग और सेवा भाव से बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं।

बिजली व्यवस्था पर सवाल: सर्दियों में 8 करोड़ खर्च, गर्मी की शुरुआत में ही ट्रांसफॉर्मर फेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बिजली निगम द्वारा सर्दियों के दौरान किए गए करीब 8 करोड़ रुपये के मरम्मत कार्य के बावजूद गर्मी की हल्की शुरुआत होते ही बिजली व्यवस्था लड़खड़ाती नजर आ रही है। निगम की ओर से ट्रांसफॉर्मर बदलने, फ्यूज रिपेयर और बिजली के पोल बदलने जैसे बड़े काम किए गए थे, लेकिन हालात यह हैं कि तापमान बढ़ते ही ट्रांसफॉर्मर फेल होने लगे हैं और एक ही दिन में करीब 40 कॉलोनियों में बिजली कट की स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि सर्दियों में हुए काम का असर जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं दे रहा, जिससे निगम की तैयारियों पर सवाल उठ रहे हैं।

जल्दी पूरा हो जाएगा मरम्मत कार्य

बिजली निगम की टीम लगातार ओवर लोड वाले एरिया में मरम्मत कार्य कर रही है। इसलिए कट लग रहे है। जल्दी ही मरम्मत कार्य पूरा हो जाएगा।
-बिजेंद्र नरवाल, एसई, बिजली निगम रोहतक

- सर्दियों में हुआ 8 करोड़ का काम
- ट्रांसफॉर्मर बदले गए
- फ्यूज और लाइन मेंटेनेंस किया गया
- ओवरलोड कम करने के लिए सुधार कार्य

बार काउंसिल पंजाब एवं हरियाणा के चुनाव में रोहतक में 6 मतदान केंद्रों पर 2899 ने डाले वोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

- कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच डाले गए वोट

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की बार काउंसिल के चुनाव बुधवार को जिला न्यायालय परिसर में आयोजित किए गए। जिसके लिए 6 मतदान केंद्र बनाए गए थे। मतदान केंद्रों पर 2899 अधिवक्ताओं ने वोट डाले। सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान किया गया। डीसी सचिन गुप्ता, एसपी सुरेंद्र कुमार भौरिया, एसडीएम आशीष कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने चुनाव के दौरान निरीक्षण किया। मतदान के दौरान भारी तादाद में पुलिस बल तैनात रहा। चुनाव को लेकर जिला प्रशासन की तरफ से पुख्ता प्रबंध किए गए थे। जिला निर्वाचन अधिकारी व डीसी सचिन गुप्ता की तरफ से बार काउंसिल के चुनाव के लिए 6 मतदान पार्टियां और दो आरक्षित पार्टियां गठित की गई है। बार काउंसिल के चुनाव शांतिपूर्वक व निष्पक्ष ढंग से संपन्न करवाने के दृष्टिगत सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे।

रोहतक। बार काउंसिल के चुनाव वोट डाले के लिए लगी लाइन। फोटो : हरिभूमि

कमिश्नर ओएसडी बने नोडल अधिकारी

डीसी सचिन गुप्ता ने बताया कि बार काउंसिल के चुनाव के लिए मंडल आयुक्त (कमिश्नर) के ओएसडी शुभम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था। साथ ही ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किए गए। चुनाव कार्यालय द्वारा चुनाव ड्यूटी में तैनात स्टाफ को हैंड्स ऑन ट्रेनिंग भी दी गई है।

समस्या 15-16 साल पुराने मैनहोल में लीकेज, खाली प्लॉटों में भर रहा पानी

बदबू व मच्छरों से बीमारियों का खतरा बढ़ा

सेक्टर-4 एक्सटेंशन में जर्जर सीवर व्यवस्था से लोगों का जीना दूभर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर के सेक्टर-4 एक्सटेंशन में सीवर व्यवस्था की बदहाल स्थिति से स्थानीय निवासी लंबे समय से परेशान हैं। करीब 15-16 वर्ष पहले यहां सीवर लाइन का निर्माण किया गया था, लेकिन अब इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। निर्माण के दौरान घटिया सामग्री के इस्तेमाल और पीली ईंटों के प्रयोग के कारण मैनहोल की दीवारें कमजोर पड़ चुकी हैं और कई स्थानों पर उनमें से पानी रिसने लगा है।

सेक्टर-4 एक्सटेंशन आरडब्ल्यूए प्रधान सुखबीर माथुर ने बताया कि क्षेत्र में बने मैनहोल लगभग 14 से 15 फीट गहरे हैं, लेकिन समय के साथ इनकी दीवारों में दरारें आ गई हैं। इन दरारों से सीवर का गंदा पानी लगातार बाहर निकलकर आसपास के खाली प्लॉटों में जमा हो रहा है। इससे पूरे इलाके में गंदगी और बदबू का माहौल बना रहता है, जिससे लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बदबू के कारण घरों में बैठना भी दूभर हो गया है। इसके साथ ही गंदे पानी के जमाव के चलते मच्छरों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य बीमारियों का खतरा बना हुआ है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर पड़ रहा है।

लीकेज से घरों की नींव हो रही प्रभावित

कुछ निवासियों ने बताया कि सीवर लीकेज के कारण उनके घरों की नींव भी प्रभावित हो रही है। जमीन में लगातार गंदा पानी रिसने से मकानों में सीलन बढ़ गई है और दीवारों में दरारें आने लगी हैं। इससे आर्थिक नुकसान के साथ-साथ लोगों में डर का माहौल भी बना हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। अधिकारियों की अनदेखी के कारण समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

जल्द से जल्द प्रशासन से की समस्या के समाधान की मांग

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द क्षतिग्रस्त मैनहोल की मरम्मत करवाई जाए और पूरी सीवर लाइन की जांच कर आवश्यक सुधार किए जाएं। इसके अलावा नियमित सफाई और रखरखाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्याओं से बचा जा सके। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो यह स्थिति और भी विकराल रूप ले सकती है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है कि वह जल्द हस्तक्षेप कर लोगों को इस गंभीर समस्या से राहत दिलाए।

रोहतक। बेस्ट वॉलंटियर अवॉर्ड लेते मोनू। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय एकता शिविर में एमडीयू के मोनू बने सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक

रोहतक। नेशनल सर्विस स्कीम (एनएसएस) के तहत 12 से 18 मार्च तक जेएसएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मैसूरु में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर 2026 में महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी के स्वयंसेवक मोनू को बेस्ट वॉलंटियर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय एकता शिविर में हरियाणा की टीम के सदस्य रहे स्वयंसेवक मोनू को कैंप में उनकी सक्रिय भागीदारी, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सेवा भावना के लिए बेस्ट वॉलंटियर अवॉर्ड मिला। शिविर में हरियाणा टीम ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। डिबेट प्रतियोगिता में स्वयंसेविका इशिका ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रभावशाली वक्तृत्व क्षमता का परिचय दिया, जबकि सुजीत ने द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं पिक एंड स्पीक प्रतियोगिता में गोलू झा ने तृतीय स्थान प्राप्त कर टीम के लिए एक और उपलब्धि जोड़ी। क्षेत्रीय निदेशालय एनएसएस, नई दिल्ली के अंतर्गत राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार के मार्गदर्शन में हरियाणा टीम इस शिविर में शामिल हुई। एमडीयू की एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सविता राठी ने भी स्वयंसेवकों को बधाई दी।